

March 1983 and are continuously courting arrest.

This has caused much suffering for nearly six lakhs school children because this strike has made their education come to a grinding halt in 1,608 schools.

I would, therefore, urge upon the Government to intervene in this very important matter, and ensure that the school-going children of Dehi in the 1,608 schools, hit by the teachers' strike and protests, are not affected and that the teachers are given every help, understanding and thought so that they can return to work.

(vi) INDUSTRIALISATION OF MAHARAJGANJ CONSTITUENCY OF GORAKHPUR FOR ITS PROPER DEVELOPMENT

श्री अशफाक हुसेन (महाराजगंज) : उपाध्यक्ष महोदय, गोरखपुर जिले में मेरे निर्वाचन क्षेत्र महाराजगंज जिसमें गोरखपुर जिले की महाराजगंज और फरेंदा तहसील आती है, इस तराई क्षेत्र का ऐसा पिछड़ा क्षेत्र है जहां औद्योगिकरण के सारे साधन हैं लेकिन फिर भी औद्योगिक दृष्टि से पिछड़ा हुआ है यहां पर्याप्त संख्या में मजदूर भी हैं जो जीविकोपार्जन हेतु वाध्य होकर बाहर जाते हैं। इन्हें इनके क्षेत्र में काम दिया जा सकता है।

मैं अपने निर्वाचन क्षेत्र के सम्बन्ध में कुछ सुझाव इस सदन के माध्यम से प्रस्तुत कर रहा हूँ।

1. लक्ष्मीपुर (एकमा) में कागज का एक बड़ा कारखाना लगाने के सभी साधन उपलब्ध हैं। यहां से चौराहा तक करीब 20 कि.मी. ट्रामवे लाइन जंगल में गई हुई है जहां से बास, फूस, एकोलपट्टस और पापलुर और दूसरी मुलायम लकड़ी लाई जा सकती है। इस क्षेत्र में बीस हजार हेक्टेयर के ऐसे मंझार हैं जहां इस समय

केवल घास फूस ही उगती है। इन मंझारों में और वनों में कागज के लिए आवश्यक बास, पापलुर, एकुलपट्टा इत्यादि के दरख्त योजनावद्ध तरीके से लगाए जा सकते हैं। इसलिए मैं लक्ष्मीपुर में कागज की एक बड़ी मिल का लगाया जाना हर दृष्टि से ठीक समझता हूँ।

2. कमपियेरगंज में एक सूत की कताई मिल लगाना चाहिए।
3. पीपीगंज में वनस्पति तेल मिल लगाना चाहिए। इस क्षेत्र में मूंगफली बड़ी मात्रा में उगाई जाती है।
4. महाराजगंज में साखू के बीज से तेल निकालने का कारखाना लगाना इसलिए उचित होगा क्योंकि यह ऐसा स्थान है जहां से पकड़ी, चोक, मधोलिया, वाकी, फरेन्दा रेंजों से साखू का बीज कम खर्च में लाया जा सकता है।
5. नौतनवा और निचलील में आधुनिक चावल मिलें लगाई जा सकती हैं।
6. इस क्षेत्र में चीनी तैयार करने के दस सल्टिपेशन प्लान्ट लगाए जाने चाहिए।
7. शीरे से पावर बल्कोहल बनाने की सम्भावनाओं का सर्वेक्षण कर इस क्षेत्र में एक मिल जगाई जानी चाहिए।
8. निलालीन में डेरी विकास योजना लागू की जानी चाहिए।

(vii) NEED FOR ENQUIRY INTO CLOSURE OF HALDIA DOCK

SHRI SATYAGOPAL MISRA (Tamluk) : Recently, the Haldia dock was closed for 9 days between 21.1.1983 and

29.1.1983, because the lock-gate in the dock became inoperative owing to heavy siltation of about six feet.

It is learnt that a French container ship, MONET which was scheduled to sail out on January 23 was detained and so two also other vessels inside the dock, which were ready to sail out at that time. Three other collier vessels were waiting at Haldia anchorage for five days forced signal to enter the dock. Three other colliers and two general cargo ships, booked for Haldia, were waiting at the Sandheads. All these happened due to the heavy siltation at the lock-gate of the Haldia dock, which caused a huge loss for the port as well as for the country. A loss of twenty-five ship days and twelve berth days resulted because of the inoperation of the lock-gate during the said period.

Moreover, it is learnt that there are no impounding pumps in Haldia dock, which keep the dock free of silt. The week-long activities for the repairs of the lock-gates at Haldia, received a set back when three workers were injured one of them seriously, during the repair work.

In this context, I urge upon the Government to conduct a high power enquiry into the matter and punish the persons, whose negligence is responsible for such a deadlock in the port.

I also request the Government to take all possible measures so that such incident does not take place again.

(viii) NEED TO HALT SUPERFAST TRAIN RUNNING BETWEEN DELHI AND AHMEDABAD AT MEHSANA, GUJARAT

श्री मोती माई श्रार० चौधरी (मेहसाना) :  
उपाध्यक्ष महोदय, मैं निम्नलिखित विषय की ओर मंत्री महोदय का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ :

कई सालों के बाद बार-बार मांग होती रहने पर अभी अभी एक सुपर फास्ट गाड़ी देहली

और अहमदाबाद के बीच मीटर गेज लाइन पर शुरू कर दी गई है। जरूरी तो यह था कि इस बहुत महत्वपूर्ण लाइन को मीटर गेज से ब्राड गेज में परिवर्तित किया जाए और उस पर सुपर फास्ट ट्रेन चलाई जाए। जो कि सबसे ज्यादा भीड़-भाड़ वाली यह लाइन रही है, लेकिन खेद है कि सालों से चल रही इस मांग को स्वीकार अभी तक नहीं किया जा रहा है। फिर भी इस मीटर गेज लाइन पर एक सुपर फास्ट ट्रेन चालू कर दी है, इसलिए रेल मंत्री को बधाई है और साथ साथ यह ट्रेन जो चलाई जा रही है इनको इस लाइन पर का सबसे बड़ा जंक्शन रेलवे स्टेशन मेहसाना को स्टापेज नहीं दिया है। उसे जल्दी से जल्दी दिया जाए ऐसी मांग करता हूँ। मेहसाना इस लाइन का एक बड़ा जंक्शन स्टेशन है जो पूरा स्वराष्ट्र क्षेत्र को रेल से जोड़ता है जो गुजरात का एक बड़ा हिस्सा है, 25 लाख से ज्यादा आबादी वाले जिले का मुख्य कार्यालय है, जहां पर आयल और नैचुरल गैस कमीशन का बड़ा कार्यालय होने के नाते इस स्टेशन से पूरे उत्तर और पूर्व भारत में आने वाले यात्रियों को इस स्टेशन से सुविधा मिल सकती है और इस ट्रेन को सारे गुजरात राज्य को एक भी स्टापेज नहीं मिला है। यह क्षति पूर्ति भी इस स्टेशन पर स्टापेज देने से हो सकती है। तो मैं आशा करता हूँ कि इस लाइन पर का सबसे बड़ा रेलवे स्टेशन जो लाखों की आबादी को यातायात की सुविधा देता है इस पर स्टापेज देकर एक रह गई क्षति को सुधारा जाएगा जिसके पहले कि इस मांग को लेकर जन आंदोलन चल पड़े। माननीय रेल मंत्री जी ने यह नई ट्रेन चालू करके अच्छी सुविधा दी है। लेकिन इससे जो वंचित रहे हैं उनको भी मेहसाना रेलवे स्टेशन को स्टापेज देकर शीघ्र ही सुविधा प्रदान करेंगे।

(ix) DEMAND FOR DECLARING BIRTH ANNIVERSARY OF DR. AMBEDKAR AS PUBLIC HOLIDAY